>

Title: Need to increase wages and give permanent status to ASHA workers in the country.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से पूरे देश की उन महिलाओं के बारे में इस सदन में बात रखना चाहता हूं कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पूरे देश में आशा बहुओं की नियुक्ति तो कर दी है, लेकिन उनको देने के नाम पर मातृ एक प्रसव पर पांच सौ रुपये, वह भी सरकारी अफसरों द्वारा बंदरबांट किया जाता है।...(व्यवधान) मैं चाहता हूं कि इस काम में लगी महिलाएं जो कि गर्भवती महिलाओं को अवेयर करने का काम करती हैं, उन्हें अस्पताल में ले जाने का काम करती हैं, लेकिन उन्हें अस्पतालों में सम्मानजनक स्थान पर भी नहीं बैठाया जा रहा है, जिससे पूरे देश की आशा बहुओं में आक्रोश व्याप्त है।...(व्यवधान) जगह-जगह ब्लॉक स्तर पर वह आंदोलन कर रही हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जब पूरे देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है और शिक्षित बेरोजगार लड़कियां इस उम्मीद में काम करती हैं कि हम समाज में नेक काम करने का काम करते हैं हम समाज की गर्भवती महिलाओं को अवेयर करने का काम करती हैं, ऐसे नेक काम करने वाली महिलाओं को सम्मानजनक वेतनमान भारत सरकार देने का काम करे तथा उनके सम्मान के लिए जिला प्रशासन स्तर पर यह निर्देश दिया जाए कि जब वह प्रसव के लिए अस्पतालों में जाएं तो सीएमओ और डिप्टी सीएमओ अच्छा बर्ताव करें तथा उनको मिलने वाला जो वेतन है, वह शीघ्र से दिलाने का काम करें।...(व्यवधान) मैं चाहूंगा कि आज के महंगाई के समय में जब मनरेगा जैसी योजना में सवा सौ से डेढ़ सौ रुपये पहले से मिल रहा है, ऐसे में आशा बहुओं को अगर पूरे महीने में मातृ दो-तीन-चार केस मिलेंगे तो छः सौ या एक हजार रुपये में उनका गुज़ारा नहीं चल सकता ...(व्यवधान) मैं चाहूंगा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इस मामले पर इस सदन में जवाब दें और महिलाओं को सम्मानजनक वेतनमान और परमानेंट नियुक्ति के लिए आदेश देने का कष्ट करें।

16.30 hrs.

At this stage Shri Arjun Roy and some other hon. Members went back to their seats.